भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2022 का उत्तर

ट्रेन में अपशिष्ट प्रबंधन

2022. श्री अनूप संजय धोत्रे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलगाड़ियों के डिब्बों में प्रयुक्त खाद्य प्लेटों के निपटान और भंडारण की मौजूदा व्यवस्था के कारण डिब्बों में अस्वास्थ्यकर स्थिति पैदा हो रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार उक्त पद्धति की समीक्षा करने और उसमें सुधार करने पर विचार कर रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और समय-सीमा क्या है; और

(घ) चलती रेलगाड़ियों में स्वच्छ, वैज्ञानिक और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जाने का विचार है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेलगाड़ियों में केटरिंग सेवाओं से उत्पन्न अपशिष्ट का निबटारा समय-समय पर जारी की गई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है। चालित रेलगाड़ियों में प्रभावी अपशिष्ट का निपटान सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

- **रेलगाड़ियों के अंदर उत्पन्न अपशिष्ट को एकत्रित किया जाता है और उनका निर्दिष्ट मार्गवर्ती रेलवे स्टेशनों पर कचरा निपटान थैलियों में निपटारा किया जाता है।**
- **सभी यात्री सवारी डिब्बों में कूड़ेदान की व्यवस्था।**
- **यात्रियों को खाना परोसने के पश्चात संबंधित सवारी डिब्बों से कचरे को एकत्रित करने की जिम्मेदारी सभी बैरा और वेटरों की होती है।**

- **परिवहन के दौरान कचरे के बिखराव रोकने के लिए एकत्रित कचरे की उचित रूप से छटाई कर उन्हें सुरक्षित रूप से कचरा थैलियों में रखा जाता है। उसके बाद इन थैलियों का निपटान करने के लिए निर्दिष्ट मार्गवर्ती स्टेशनों पर उतार दिया जाता है।**
- **रसोई यानों में ढक्कन वाले बड़े आकार के प्लास्टिक या स्टेनलेस स्टील के अपशिष्ट पात्र रखे गए हैं ताकि इससे किसी भी प्रकार से खाद्य प्रक्रिया प्रदूषित न हो।**
- **रसोई यान के भीतर कोई भी कचरा खुला नहीं रखा जाता है तथा उसका निपटारा प्लास्टिक एवं अन्य पर्यावरण-प्रतिकूल सामग्रियों के लिए निर्दिष्ट प्रावधानों सहित अन्य नियमों एवं विनियमों के अनुसार उचित तरीके से किया जाता है।**
- **इसके अलावा, मानव अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल निपटान सुनिश्चित करने के लिए, सभी सवारी डिब्बों में जैव-शौचालय लगाए गए हैं। जैव-शौचालय कचरे को विघटित करने के लिए जीवाणु उपचार का उपयोग करते हैं, जिससे पटरियों पर सीधे निस्सरण की रोकथाम होती है और दुर्गंध, संक्षारण एवं अस्वच्छ स्थितियों का न्यूनीकरण होता है। जैव शौचालयों के प्रावधान का विवरण निम्नानुसार है:**

अवधि	लगाए गए जैव-शौचालयों की संख्या
2004-2014	9,587
2014 से अब तक	3,61,572

******